सृजन

वार्षिक पत्र — हिन्दी विभाग, सेंट बीड्स कॉलेज, शिमला

संस्करण 6 **वर्ष 2023**

सम्पादिका की ओर से

सृजन मानव जीवन की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिससे वह इस भौतिक सृष्टि में आत्मिक मूल्यों का निर्माण करता है। सृजन से ही वह प्रेम, पवित्रता, पलायन, ईश्वर, नश्वरता आदि विषयों के बारे में अपने उद्‌गार व्यक्त करता है, जिसमें सूक्ष्म भावों एवं कल्पना का समावेश होता है। अनंत काल से जीवन के हर क्षेत्र में सृजन होता आ रहा है। हर व्यक्ति में सृजन –शक्ति किसी न किसी रूप में विद्यमान रहती है। जरूरत है उसे पहचानने की, पहचान कर उसे निखारने की। सृजनात्मक कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से हर वर्ष सेंट बीड्स महाविद्यालय की छात्राओं को प्रत्येक गतिविधि में भाग लेने का सुअवसर प्रदान किया जाता है। इस वर्ष भी महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं जिनमें छात्राओं ने बढ़ – चढ़कर भाग लिया । हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 7 से 14 सितम्बर तक महाविद्यालय में हिंदी सप्ताह और हिंदी दिवस का आयोजन किया गया था। इसके साथ – साथ कई गतिविधियों में छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। जिन छात्राओं ने भाग लिया, उनकी प्रस्तुति सत्र के वार्षिक पत्र में आपके समक्ष है। साथ ही प्रत्येक गतिविधि का संक्षिप्त वर्णन फोटो सहित प्रस्तुत किया जा रहा है। इस वर्ष हिंदी विभाग की उपलब्धियों को भी आपके साथ साझा किया जा रहा है। आशा है कि सभी पाठक पत्र को पढ़ते हुए इनसे अवगत भी होंगे एवं छात्राओं के प्रयासो को सराहेंगे।

सत्र 2022–23 में सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कविता पाठ प्रस्तुति

दिनांक 13 अगस्त, 2022 को सेंट बीड्स महाविद्यालय के कल्चरल सोसाइटी एवं हिंदी विभाग की सहभागिता में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' तथा 'हर घर तिरंगा' के तहत भारत के 75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कविता पाठ प्रस्तुति की गयी। इसमें बी ए, बीकॉम द्वितीय वर्ष तथा बी.ए तृतीय वर्ष की छात्राओं ने भाग लिया।

सेंट बीड्स महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

14 सितम्बर 2022 को सेंट बीड्स महाविद्यालय, शिमला के सभागार में हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा भव्य समारोह का आयोजन किया गया। छात्राओं ने हिंदी भाषा के महत्त्व तथा हिंदी दिवस मनाने की प्रासंगिकता पर बल देते हुए अनेकानेक कलात्मक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियाँ दीं, यथा – कविता पाठ, भाषण, नाट्य–प्रस्तुति, डाक्यूमेंट्री प्रदर्शन, गायन प्रस्तुति आदि। इस आयोजन को सफ़ल बनाने में संगीत विभाग

हिंदी दिवस

हिंदी सप्ताह का आयोजन

हिंदी सप्ताह गतिविधि 01 – पोस्टर निर्माण तथा नारा लेखन

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 7 सितम्बर 2022 से हिंदी सप्ताह भी मनाया गया। हिंदी सप्ताह का प्रारम्भ 'मेरी भाषा मेरी शान' विषय पर पोस्टर तथा नारा–लेखन से हुआ।

गतिविधि 02 – डॉक्यूमेंट्री निर्माण – 'कलम के सिपाही : मुंशी प्रेमचंद'

गतिविधि 03 –'हिंदी : प्रौद्योगिकी के साथ' पर कार्यशाला

08 सितम्बर 2022 को 'हिंदी : प्रौद्योगिकी के साथ' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके तहत हिंदी की पूर्व छात्रा, सुश्री तन्वी अग्रवाल और तृतीय वर्ष की छात्रा, सुश्री शिखा शांडिल ने छात्राओं को कैन्वा, इ – पोस्टर निर्माण तथा हिंदी टंकण पर विशेष प्रशिक्षण दिया।।

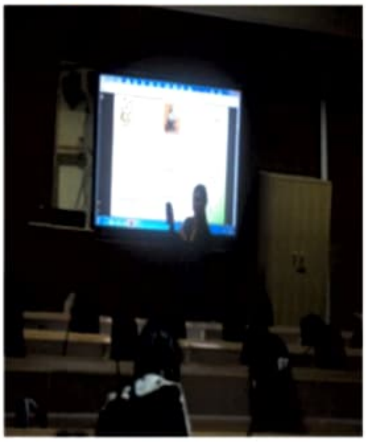

गतिविधि 04 – प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

09 सितम्बर 2022 को 'हिंदी ज्ञानसागर' शीर्षक के तहत एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बी.ए तथा बीकॉम द्वितीय वर्ष एवं बी. ए तृतीय वर्ष की छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

गतिविधि 05 – कविता लेखन एवं वाचन प्रतियोगिता

12 सितम्बर 2022 को कविता रचना एवं पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बी. ए , बीकॉम, बी.इससी तथा डी. एल. एड की छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी दिखाई।

सेंट बीड्स महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन

दिनांक 21 फ़रवरी 2023 को सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 'बहुभाषी शिक्षा – शिक्षा को बदलने की आवश्यकता' थीम के आधार पर कॉलेज की बी. ए तथा बीकॉम प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने अपनी –अपनी क्षेत्रीय बोलियों हिंदी, पंजाबी, कांगड़ी, चम्बियाली, सिरमौरी, भरमौरी आदि पर लघु–कथा की रचना की।

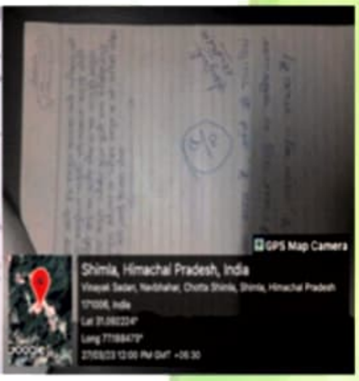

'आज़ादी के अमृत महोत्सव' के तहत सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित गतिविधि

दिनांक 04 नवम्बर 2022 को 'आज़ादी के अमृत महोत्सव' के तहत सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से 'भारत की वीरांगनाएँ ' पर एक चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में हिंदी विभाग की छात्राओं ने रानी लक्ष्मीबाई, बेगम हज़रत महल, सरोजिनी नायडू आदि भारत की स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र बनाए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2023 के अवसर पर सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से रैली का आयोजन

दिनांक 07 मार्च 2023 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के हिंदी विभाग तथा डिबेट्स एंड ड्रामेटिक्स सोसाइटी की ओर से एक रैली और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया । रैली की थीम – 'शिक्षित नारी : शिक्षित समाज' रखी गयी जिसपर छात्राओं ने रंगीन पोस्टर बनाए तथा नारे भी लगाए। रैली शेर – ए – पंजाब रेस्टोरेंट, माल रोड, शिमला से शुरू होकर एम्फीथियटर, रिज तक आयोजित की गयी।

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित गतिविधियों में छात्राओं के सृजनात्मक कौशल की कुछ झलकियाँ

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' तथा 'हर घर तिरंगा' के तहत भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कविता पाठ प्रस्तुति की गयी। इस अवसर पर बी. ए. तृतीय वर्ष की सुश्री संदीप कौर ने अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया।

'मैं 21वीं सदी का आज़ाद भारत बोल रहा हूँ!

'मैं 21वीं सदी का आज़ाद भारत बोल रहा हूँ!
कहीं – कहीं पर मैं डोल रहा हूँ ।
फिर भी मैं 21वीं सदी का आज़ाद भारत बोल रहा हूँ!
कह रहा हूँ कहानी मेरे वीर जवानों की,
खेतों की हरियाली की,
कश्मीर से कन्याकुमारी की।
भाषा गुजराती से बंगाली की,
सारी पोलें खोल रहा हूँ।
हाँ ! मैं 21वीं सदी का आज़ाद भारत बोल रहा हूँ!
मैं नौजवानों का भारत,
मैं बुद्धिजीवियों का भारत,
चाँद पर सबसे पहले पानी ढूंढने वाले वैज्ञानिकों का भारत,
खेल के दिग्गज मेजर ध्यानचंद से मैरी कॉम तक का सशक्त भारत।
यहाँ मैं अपने मुँह से मियां मिट्ठू बन रहा हूँ!..
हाँ! मैं 21वीं सदी का आज़ाद भारत बोल रहा हूँ !
गाँवों से शहरों तक,
शहरों से विदेशों तक का सफ़र तय करने वाला आज़ाद भारत,
47 के बंटवारे को देखकर 2022 में लाखों अवधारणों से लड़ने वाला लौह पुरुष,
विदेशों में अपना लोहा मनवाने वाला भारत...
हाँ ! मैं 21वीं सदी का आज़ाद भारत बोल रहा हूँ !
दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हूँ मैं।
बाजपई का राष्ट्र पुरुष।
बंकिम चंद्र के मानचित्र की भारत माता।
सैन्य बल का राजा हूँ मैं।
अपनी नदियों का निर्मल जल इधर– उधर झोल रहा हूँ,
हाँ ! मैं 21 वीं सदी का आज़ाद भारत बोल रहा हूँ !
पर मैं भारत ऐसे ही नहीं हूँ ।
मैं भारत बनता हूँ मेरे देश के लोगों से,
मेरे देश के अलगदृअलग धर्मों से,
अपने संविधान से,
अपने लोगों की एकता से.. अपने भूखंडों से३
तो आज मैं इन सबसे अपने हकों की माँग कर रहा हूँ ..
मैं 21वीं सदी का आज़ाद भारत बोल रहा हूँ !
मैं हूँ नाखुश अपने अंदर हो रहे सांप्रदायिक दंगों से३
मैं निराश हूँ, मेरे देश की गरीबी से...
मैं दुःखी हूँ मेरे देश की ऊंच –नीच की भावनाओं से..
सुना है – मेरे अंदर रहने वालों को अब मैं भाता नहीं३
ये अमीरी – गरीबी का चक्र उनको रास आता नहीं!
जा रहे हैं लोग मेरा ये घर छोड़ कर३
क्या मेरे देश चलाने वाले को इतना समझ आता नहीं?
मैं माँग कर रहा हूँ खुद की, खुद के आत्म –सम्मान की३
खुद के वजूद को ढूंढ रहा हूँ,
कहीं – कहीं मैं झूल रहा हूँ,
और कहीं –कहीं तो मैं छूट रहा हूँ३
मैं 21वीं सदी में पुराना भारत ढूंढ रहा हूँ!
मैं फिर से वही सोन चिरैया होना चाहता हूँ ।
मैं पूरे विश्व मे चमकना – दमकना चाहता हूँ।
अपनी पुरातन संस्कृति और सभ्यता की विरासत की पहचान करवाना चाहता हूँ।
मैं फिर से लौह पुरुष का अखण्ड भारत होना चाहता हूँ!!

सितम्बर 2022 में आर के एम् वी कॉलेज, शिमला में एचपीयू यूथ फेस्टिवल मनाया गया। इस के दौरान छात्रों के लिए कई सर्जनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। सेंट बीड्स महाविद्यालय के पोएट्री सोसायटी का प्रतिनिधित्व करती हुई सुश्री श्रुति, बी. ए द्वितीय वर्ष ने श्आजादी के अमृत महोत्सवश थीम पर अपनी स्वरचित कविता प्रस्तुत की।

'भारत बढ़ाए विश्व की शोभा'

आजादी था सपना, पानी थी स्वतंत्रता
– ब्रिटिश राज से
पर चुनौतियों ने दी थी दस्तक ,
भारत रोया था – चीरकाल से ....
था गुलाम बनाया उसे अंग्रेजों ने
क्या किया ?
यह पूछते हो !
नक्शा बदल डाला मेरे वतन का ......।
पर, लोगों के मासूम दिलों में,
न ला पायीं दरारें ।

जो थी बिछाई, लोगों के आगे जालें,
किया था नामुमकिन लोगों का जीना,
नचाया था ऐसे –
मानो कठपुतलियाँ हों हम उनकी .....।

पर जनाब ! यह भारत है !
हिंदुस्तान की धरती है !

यहाँ है लोगों में त्याग भावना
धाराशायी करने पड़े अगर सर,
तो वतन के लिए, वह भी स्वीकार है।

हम तो मातृभूमि की गरिमा और वजूद के लिए लड़ेंगे।
और अंतिम श्वाश तक लड़ेंगे।
कफन सर पर बाँधते भी यही आवाज आएगी –
भारत माता की जय !
इंकलाब जिंदाबाद।।

मिली वतन को मेरे –आजादी,
आजादी दिलवाने वाले थे वो बलिदानी।
जिनकी आपने, हमने, सबने सुनी कहानी।

असहनीय पीड़ा सहने के बाद,
जैसे देती है जन्म ,
एक माँ अपने बच्चे को,
वही था हुआ भारत के साथ भी।
फिरंगी राज ने ढाये थे जुल्म ,
किया था हर जन को पीड़ित।
लेकिन, क्रांतिकारियों ने
निभाया था कर्तव्य
और दिया था भारत को जन्म।
अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में भी,
लहराया तिरंगा, आशाओं और गर्व से।

एकत्र हुए हम सब ,
मनाने आजादी का अमृत महोत्सव
पर, क्या जानते हो ?
थी यह नामुमकिन,
लाखों ने दी थी शहादत,
मृत हुए –
बनाने के लिए –अमृत
मातृभूमि का परचम लहराने के लिए।
दिल से सलाम –
हमारे वीर – जवानों के बलिदानों के लिए।।

मिली आजादी 15 अगस्त 1947 को
था हमारा देश जन्मा, आधी रात को।
नेहरू जी थे बने पहले प्रधानमंत्री ,
दिया उन्होंने व्याख्यान –
सौभाग्य के साथ प्रयास प्रश्न
मकसद था –
एकता, न्याय और भाईचारा बनाए रखना ,
पर न था यह सरल।

हिंदुस्तान ने चेष्टा की गगन चूमने की,
विविधता में एकता कायम करने की ,
संविधान की अनुपालना करने की।

संविधान ?
हाँ, संविधान।
वह ग्रंथ –
जो है देश का सर्वोच्च कानून –आधार।
आदर मेरे दिल में,
अपने संविधान के लिए।
इसके निर्माताओं ने ली थी शपत ,
भारत को एकता की एकता में बांधने के लिए।
न हम भूल सकते, न हम भूले हैं ,

की भारत माँ ने क्या–क्या दुःख झेलें हैं .... ।
तब हिन्द–पाक का विभाजन,
और अब, अमीर – गरीब का विभाजन।
जो है लगाता, देश के विकास पर प्रतिबंध।

है भारत की जनसँख्या लगभग 1-4 अरब तक,
है यह बड़ी चुनौती देश के विकास पर,
सरकारें आयीं – गयीं,
आते गए परिवर्तन
गरीबों की उन्नति के लिए हुए अनेक प्रयास,

लगे ही थे चैन की साँस लेने हम,
कि आ गयी वो महामारी,
जिसने लूट ली सुख–चैन सब की।
पर, जिंदगी थमी नहीं, जज्बा रुका नहीं।

आजादी के अमृत महोत्सव में बनती है ,
जिम्मेदारी हम सब की –
कि लाएँ खुशी, हर उस चेहरे पर
जो रोया बरसों से।
जो सोया नहीं अरसों से।
संविधान हमारा प्रतीक है–स्वाधीनता का, सम्प्रभुत्ता का।

महत्तम लोकतंत्र वाला देश भी भारत ,
विविधता से परिपूर्ण भी भारत।
सनातन धर्म की भूमि का देश भी भारत।

जी हाँ ! विकास के मार्ग पर अग्रसर है भारत

भारत पूरे 75 वर्ष का हुआ
यह दिन जश्न मनाने का अवसर हुआ।

पर, समग्र वृद्धि भारत की अभी देखनी बाकि है।
आत्मनिर्भर छवि उसकी बनानी बाकि है।

दूर नहीं वह दिन, जब पूरा विश्व पहचानेगा मेरे देश की आभा
विश्व–गुरु भारत के जयकारे सुनाई पड़ेंगे,
तब मेरा भारत बढ़ाएगा,
पूरे विश्व की शोभा।। ....

सत्र 2022–23 में सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग की उपलब्धियाँ

सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग की अध्यक्षा, डॉ देविना अक्षयवर की पुस्तक विमोचन

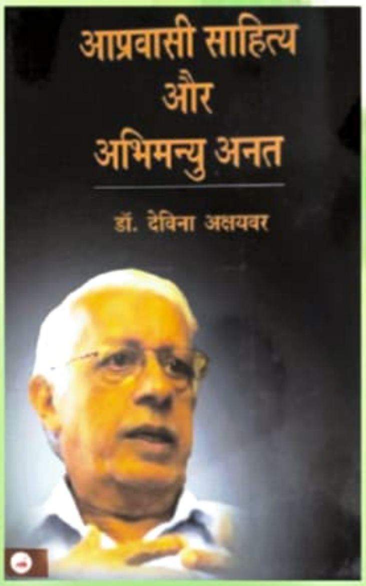

शनिवार 10 दिसंबर 2022 को शिमला के गेयटी थियेटर में सेंट बीड्स महाविद्यालय, शिमला के हिंदी विभाग की अध्यक्षा, डॉ देविना अक्षयवर विरचित पुस्तक **'आप्रवासी साहित्य और अभिमन्यु अनत'** का विमोचन किया गया। यह समारोह शिमला स्थित 'हिमालय साहित्य संस्कृति एवं पर्यावरण मंच' (पंजीकृत) के सौजन्य से आयोजित किया गया जिसमें हिमाचल प्रदेश के कई गण्यमान्य साहित्यकार उपस्थित थे। पुस्तक विमोचन के बाद सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग की सहायक प्रोफ़ेसर, सुश्री अंजना देवी ने पुस्तक की समीक्षा प्रस्तुत की। भारत तथा मॉरीशस के औपनिवेशिक काल में भारतीय आप्रवासी समाज के अनगिनत संघर्षों के ऐतिहासिक साक्ष्य के रूप में यह पुस्तक शोधकर्ताओं के लिए सहायक स्रोत है। इसका प्रकाशन नॉएडा स्थित स्वराज प्रकाशन से हुआ है।

जग मार्ग

सत्ता और साहित्य का रिश्ता दिन-ब-दिन तल्ख होता जा रहाः प्रो. कुमार कृष्ण

गेयटी थियेटर में किया चार पुस्तकों का विमोचन

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के 23 वें दीक्षांत समारोह में सुश्री अंजना को दर्शन निष्णात् हिन्दी विषय में स्वर्ण पदक प्राप्त।

19 अप्रैल 2023 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के सभागार में 26 वां दीक्षांत समारोह मनाया गया। समारोह में भारत की माननीय राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, मंत्री जगत् सिंह नेगी और सांसद सुरेश कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मंत्री जगत् सिंह नेगी ने सेंट बीड्स महाविद्यालय के हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापिका, सुश्री अंजना देवी को दर्शन निष्णात् हिन्दी विषय में स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया । सुश्री अंजना देवी को हार्दिक बधाई ।

सुश्री आरुषि शर्मा बी. ए तृतीय वर्ष को पुरस्कार एवं छात्रवृत्ति प्राप्त

सुश्री शिखा शाडिल बी. ए तृतीय वर्ष को पुरस्कार तथा स्वर्ण पदक प्राप्त

सुश्री आरुषि अवस्थी बीकॉम द्वित्तीय वर्ष को पुरस्कार
एवं छात्रवृत्ति प्राप्त

साक्षात्कार

हिंदी विभाग की ओर से जेनेरिक इलेक्टिव के रूप में 'सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र' नामक विषय पढ़ाया जाता जिसे बी.ए. तृत्तीय वर्ष की छात्राएं पढ़ती हैं। इसके तहत प्रिंट पत्रकारिता की विविध विधाओं का ज्ञान उन्हें दिया जाता है, जिनमें एक साक्षात्कार भी है । इसी को आधार बनाकर सुश्री गुंजन पराशर ने स्वयं सेवी महिला समूहों का साक्षात्कार लिया, जो आर्थिक रूप से स्वावलम्बन की ओर अग्रसर हैं। उसके कुछ अंश प्रस्तुत हैं:

गुंजन : कृपया बताइये कि आप इस स्वयं सेवी समूह से कब जुड़ीं और क्यों ?

अनुगौतम (नम्होल, ज़िला बिलासपुर) : इस स्वयं सेवी समूह से मैं 01 साल से जुड़ी हुई हूँ और इनकी 'कामधेनु' संस्था 2001 से स्थापित है। इसमें मेरे साथ 5400 महिलाएँ जुड़ी हुई हैं। मैं इस समूह से इसीलिए जुड़ी क्योंकि यह मध्यवर्ग के लिए अच्छा प्लेटफॉर्म है । इससे हम सभी महिलाएँ सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं और यह आमदनी का भी एक अच्छा साधन है।

गुंजन : क्या आप बता सकती हैं कि आप अपने समूह द्वारा निर्मित उत्पादों को कहाँ–कहाँ पर बेचती हैं?

सुरेखा (किन्नौर) : हमारे समूह द्वारा निर्मित उत्पादों को हम मंडी, काँगड़ा आदि में बेच चुके हैं। हमारी एक शाखा हर साल शिमला तथा प्रदेश के अन्य ज़िलों में आयोजित मेलों में भी हमारे द्वारा निर्मित उत्पादों के विक्रय के लिए जाती है।

गुंजन : नाबार्ड की ओर से आपको जो सहायता प्राप्त होती है उससे आपके समूह का किस प्रकार विकास हुआ ?

अनुगौतम : हमें आर्थिक सहायता और अपने बनाये गए सामान को बेंचने के लिए बाज़ार मिल जाती है जिससे हम अपने उत्पाद पर आने वाली लागत को पूरा करते हैं।

गुंजन : नाबार्ड की सहायता से आपको किस प्रकार लाभ पहुँचा ?

सुरेखा: नाबार्ड द्वारा प्राप्त सहायता से उत्पादों पर आने वाली लागत पर ख ुद से कोई खर्चा नहीं करना पड़ता। नाबार्ड की तरफ़ से आयोजित मेले जहाँ कहीं पर भी लगते हैं, हमारे रहने का खर्च नाबार्ड द्वारा उठाया जाता है। इस तरह हम आर्थिक रूप से सशक्त हो पा रही हैं। घर से बाहर निकलकर स्वयं के लिए कुछ करने का आत्मविश्वास भी जागा है।

गुंजन : आपकी भावी योजना क्या है ?

अनुगौतम और सुरेखा : हम अपने समूह की वृद्धि की ओर आगे बढ़ेंगे, और भी उत्पादों के निर्माण के लिए अन्य महिलाओं से संपर्क करके उत्पादों की विविधता पर काम करेंगे। हो सके तो प्रदेश से बाहर जाकर भी इन उपादों के लिए बाज़ार निर्मित करने का प्रयास करेंगे।

द्वारा प्रो0 सिस्टर मॉली अब्राहम, प्रधानाचार्य, सेंट बीड्स कॉलेज शिमला - 171 002
विभाग सम्पादिका डॉ देविना अक्षयवर, सह-सम्पादिका सुश्री अंजना देवी